श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 66, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार, 12 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

पीएम मोदी ने की स्वामित्व योजना की शुरूआत

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज स्वामित्व योजना की शुरूआत की। ग्रामीण भारत के लिए यह बदलाव लाने वाला कदम होगा। सरकार के इस कदम से चार साल में करीब 6.62 गांवों को फायदा मिलेगा। स्वामित्व योजना प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस साल 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस को लाया गया था। इस योजना के तहत ग्रामीण भारत में संपत्ति से जुड़े मामलों के वैध समाधान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के जरिए ड्रोन सर्वे तकनीक की सहायता से गांव के आबादी वाले क्षेत्रों का सीमांकन किया जाएगा। इससे गांवों में जमीन के कानूनी झगड़े कम करने में मदद मिलेगी।

केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय की ओर से शुरू की गई यह एक खास योजना है। इसके बारे में प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, 24 अप्रैल, 2020 को घोषणा की थी। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को 'रिकॉर्ड ऑफ राइट्स' देने के लिए संपत्ति कार्ड का वितरण किया जाना है। इस योजना का क्रियान्वयन 4 वर्ष में चरणबद्ध ढंग से किया जाएगा। इसे 2020 से 2024 के बीच पूरा किया जाना है और देश के 6.62 लाख गांवों को कवर किया जाना है।

स्वामित्व योजना केंद्र सरकार की योजना है। इस लागू करने के लिए नोडल एजेंसी पंचायती राज मंत्रालय है। राज्यों में इसे लागू करने के लिए राजस्व विभाग या लैंड रिकॉर्ड्स डिपार्टमेंट को नोडल विभाग बनाया गया है जो राज्य के पंचायती राज्य विभाग के सहयोग से इस योजना को लागू करेगा। इस योजना को लागू करने में सर्वे ऑफ इंडिया तकनीकी सहयोगी के रूप में कार्य करेगा।

इस योजना के तहत ड्रोन सर्वे तकनीक की सहायता से गांव के आबादी वाले क्षेत्रों का सीमांकन किया जाएगा। इससे गांव में रहने वाले लोगों को अपनी संपत्ति का रिकॉर्ड्स ऑफ राइट्स हासिल होगा। इन रिकॉर्ड्स के जरिए वे अपनी संपत्ति का वित्तीय रुप में इस्तेमाल कर सकेंगे और बैंक से कर्ज या अन्य वित्तीय सुविधाएं लेने में कर सकते हैं। इस योजना से ग्रामीण योजना के लिए जमीन के सटीक आंकड़े मिलेंगे और प्रॉपर्टी टैक्स के आकलन में सरकार को मदद मिलेगी। इसके अलावा इससे जमीन से जुड़े कानूनी झगड़े कम करने में मदद मिलेगी।

पीएमओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक योजना के तहत 1.32 लाख लोगों को अपनी जमीन के कागज एक एसएमएस लिंक के जरिए डाउनलोड कर सकेंगे। पहले चरण में योजना का लाभ छह राज्यों के 763 गांवों को मिलेगा. इसमें 346 गांव उत्तर प्रदेश, 221 हरियाणा, 100 महाराष्ट्र, 44 मध्य प्रदेश, 50 उत्तराखण्ड और 2 कर्नाटक से हैं. महाराष्ट्र के अलावा अन्य राज्यों को एक दिन के भीतर उनके जमीन के कागजात डाउनलोड करने के लिए एसएमएस लिंक एक दिन के भीतर भेज दिया जाएगा। महाराष्ट्र में प्रॉपर्टी कार्ड पर शुल्क रखा गया है, इसलिए वहां इसमें एक महीने तक का समय लग सकता है।

अभी आवासीय संपत्ति के मालिकाना हक का रिकॉर्ड नहीं

गांव की खेती की जमीन का रिकॉर्ड खसरा-खतौनी में तो होता है। लेकिन, गांवों की आवासीय संपत्ति का मालिकाना हक के आधार पर कोई रिकॉर्ड नहीं है। इस स्कीम के जरिए यह हर आवासीय संपत्ति की पैमाइश कर मालिकाना हक सुनिश्चित किया जाएगा।

लखनऊ के ऐशबाग की झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग, ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटे सिलिंडर

लखनऊ, जेएनएन। राजधानी स्थित ऐशबाग ईदगाह के पास रविवार देर रात झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। एक-एक के बाद एक झोपड़ियां जलने लगीं। सूचना पर दर्जन भर से अधिक दमकल की गाड़ियां पहुंची और कर्मियों ने फायर-फाइटिंग शुरू की।

दरअसल, ऐशबाग ईदगाह के पास स्थित झुग्गी बस्ती में रविवार देर रात एकाएक आग लग गई। झोपड़ी से आग की लपटें निकलतीं देख अहमद और आस-पड़ोस के अन्य लोग निकलें और पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल को सूचना दी। देखते-देखते अन्य झोपड़ियां भी आग की चपेट में आकर जलने लगीं। पूरी बस्ती में भगदड़ मच गई। आग की तपिश से झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटने लगे।

सूचना पर बाजार खाला पुलिस, चौक, हजरतगंज, आलमबाग समेत कई अन्य फायर स्टेशनों से गाड़ियां बुलाई गईं। सीएफओ विजय कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी पहुंचे। नौ दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। करीब 100 से अधिक झोपड़ियां बताई जा रही हैं। जिनमें आग लगी है। घटना से पूरी बस्ती में अफरा-तफरी मच गई। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग चीख-पुकार कर रहे थें।

चारों तरफ हाहाकार मचा था। देर रात तक दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में लगे रहें। सीएफओ विजय कुमार सिंह के मुताबिक, घंटे भर के अंदर आग पर काबू पा लिया गया। देर रात तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट में आज से पूरी रफ्तार से कामकाज, सभी 12 खंडपीठों के 30 जज नियमित रूप करेंगे सुनवाई

नई दिल्ली, पीटीआइ। सुप्रीम कोर्ट छह महीने से अधिक समय के बाद सोमवार से अपनी पूरी क्षमता से कामकाज शुरू कर देगा। अब कोरोना काल से पहले की ही तरह सभी 12 खंडपीठों के तीस जज नियमित रूप से वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई करेंगे। सर्वोच्च अदालत की वेबसाइट के अनुसार 12 अक्टूबर से सुप्रीम कोर्ट की सभी पीठों के कामकाज शुरू करने से उसकी सुनवाई की रफ्तार बढ़ेगी और मामलों का पहले की अपेक्षा जल्द निपटारा हो सकेगा।

अब से दो से तीन जजों की दस खंडपीठें और दो एकल जज की पीठ सुनवाई करेगी। हालांकि कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ही सुनवाई जारी रहेगी। सोमवार को तीन जजों की आठ खंडपीठें और दो-दो जजों की दो खंडपीठें मामलों की सुनवाई करेंगी। इसके अलावा, एकल जज की दो पीठें मामलों के स्थानांतरण संबंधी याचिकाओं की सुनवाई और उन पर फैसला करेंगी।

ध्यान रहे कि मार्च में कोविड-19 के कारण शुरू हुए लॉकडाउन के समय से सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए नए मानक शुरू कर दिए थे और तब से केवल दो से तीन जजों की पांच खंडपीठें ही प्रतिदिन करीब 22 मामलों की सुनवाई करती रही हैं। देशव्यापी लॉकडाउन लगने से दो दिन पहले यानी 23 मार्च से सर्वोच्च अदालत वीडियो कांफ्रेंसिंग से ही सुनवाई कर रही है। वैश्विक महामारी के चलते सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री सीमित स्टाफ के साथ काम कर रही है। संक्रमण से बचाव के साथ ही सार्वजनिक यातायात पूरी तरह से बंद होना भी ऐसे कदम उठाने का प्रमुख कारण था। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि वकीलों और याचिकाकताओं से जुड़ी सुविधाओं को पूरी तरह से फिर से शुरू कर दिया गया है। पहले दिन वीडियो कांफ्रेंसिंग में दिक्कतें आ सकती हैं, इसलिए 12 फैसिलिटेशन रूम बनाए गए हैं। वैसे मौजूदा वक?त में सुप्रीम कोर्ट में चार जजों के स्थान रिक्त हैं जबकि तीन हाई कोर्ट बिना नियमित मुख्य न्यायाधीश के ही चल रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पहला स्थान नवंबर 2019 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के सेवानिवृत्ति होने के बाद रिक्त हुआ था। इसी के बाद सर्वोच्च अदालत में तीन और स्थान रिक्त हुए थे। जस्टिस दीपक गुप्ता, आर.भानुमती और अरुण मिश्रा की सेवानिवृत्ति के बाद से उनके रिक्त स्थान अब तक नई नियुक्तियों से भरे नहीं गए हैं। वहीं आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन रिक्तियों को भरने के लिए कानून मंत्रालय के पास अब तक कोलेजियम से कोई सिफारिश ही नहीं आई है।

एलएसी से सैनिकों की जल्द वापसी को चीन पर दबाव बनाएगा भारत

नई दिल्ली, प्रेट्र। भारत और चीन की सेनाओं के बीच कोर कमांडर स्तर की सातवें दौर की बातचीत सोमवार को होनी है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत इसमें पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले सभी बिंदुओं से सैनिकों को जल्द और पूरी तरह से हटाने के लिए चीन पर दबाव बनाएगा। सूत्रों के मुताबिक यह बातचीत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय क्षेत्र चुशूल में दोपहर 12 बजे शुरू होगी।

वार्ता का एजेंडा पूर्वी लद्दाख में टकराव के सभी बिंदुओं से सैनिकों को हटाने के लिए एक रोडमैप तैयार करना होगा। इस बातचीत की रणनीति तैयार करने के लिए शुक्रवार को यहां चाइना स्टडी ग्रुप (सीएसजी) की बैठक हुई थी। इस ग्रुप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि सैनिकों की वापसी शुरू करने के लिए चीन की तरफ से पेंगोंग झील के दक्षिणी भाग के महत्वपूर्ण बिंदुओं से भारतीय सैनिकों की हटाने की किसी भी शर्त का भारत पुरजोर तरीके से विरोध करेगा।

कोर कमांडर स्तर की पिछली बातचीत में चीन ने इस इलाके के मुखपरी, रेजांग ला और मागर हिल जैसे रणनीतिक रूप से अहम बिंदुओं से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग की थी। 29 और 30 अगस्त की रात चीनी सैनिक इन चोटियों पर कब्जा करना चाह रहे थे, लेकिन भारतीय सैनिकों ने न सिर्फ उन्हें पीछे खदेड़ दिया था, बल्कि उसके बाद से ही वहां जमे हुए हैं। इन अहम बिंदुओं से चीन का बड़ा इलाका भारतीय सैनिकों की सीधी निगरानी में आ गया है।

प्रदूषण नियंत्रण की कोशिश में जुटे कई देश, भारत में सौर ऊर्जा में 30 फीसद की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, जागरण स्पेशल। दुनियाभर में बढ़ता प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। इसे कम करने के लिए प्रयास नहीं किए गए तो परिस्थितियां बद से बदतर हो सकती हैं। हालांकि, विभिन्न देश इसे लेकर कई कोशिशों में जुटे हैं, जिनमें भारत भी अपनी ओर से उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। भारत में सौर ऊर्जा में 30 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। साल 2020 में वैश्विक स्तर पर बिजली का उत्पादन मामूली रूप से कम हुआ है। इसके पीछे कई कारण हैं, जिनमें कोविड-19 महामारी के साथ ही अक्षय ऊर्जा के स्रोतों जैसे पवन और सौर ऊर्जा का लगातार बढ़ना भी शामिल है। जलवायु थिंक टैंक एंबर के नए डाटा के अनुसार, वैश्विक स्तर पर सौर और पवन ऊर्जा से बिजली के उत्पादन में क्रमशः 19 और 11 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

दुनिया के बड़े देशों में अक्षय ऊर्जा के स्रोतों को लेकर काफी काम हुआ है। चीन, रूस और अमेरिका में पवन और सौर ऊर्जा में खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इस दिशा में सबसे बेहतरीन काम रूस में हुआ है। रूस में सौर ऊर्जा में 55 फीसद और पवन ऊर्जा में आश्चर्यजनक रूप से 236 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एंबर और ब्लूमबर्ग के अनुसार, पिछले पांच सालों में सौर और पवन ऊर्जा के स्रोतों से होने वाले बिजली उत्पादन में दो गुनी बढ़ोतरी हुई है, जबकि प्रत्येक वर्ष पैदा होने वाली पवन और सौर ऊर्जा का वैश्विक हिस्सा आमतौर पर एक फीसद से भी कम बढ़ा है। हालांकि, 2020 में इसने उल्लेखनीय गति हासिल करते हुए तीन फीसद से अधिक की वृद्धि हासिल की है।

पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि वैश्विक कोयला उत्पादन में हो रही लगातार कमी के साथ मेल खाती है। दुनियाभर के देश विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन से दूरी बना रहे हैं। हालांकि, कुछ विश्लेषकों को उम्मीद है कि सौर और पवन ऊर्जा के नए स्रोतों के कारण जल्द ही इनसे बिजली का उत्पादन नए स्तर पर होगा।

कोयला उत्पादन और बिजली के क्षेत्र में चीन दुनिया में अग्रणी है। इसके साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी चीन तेजी से विकास कर रहा है। यहां सौर ऊर्जा में 15 फीसद और पवन ऊर्जा में 11 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वैश्विक स्तर पर कोयला उत्पादन में आठ फीसद की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वहीं, सौर ऊर्जा में 19 और पवन ऊर्जा में 11 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। भारत ने भी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में 30 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, पवन ऊर्जा में एक फीसद की कमी आई है। वहीं, कोयला उत्पादन में भी भारत में तीन फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

17 हवाई अड्डों में पांचवें नंबर पर भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट, 5 में से मिले 4.62 अंक

भोपाल, जेएनएन। देश के 17 प्रमुख हवाई अड्डों पर हुए ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (कस्टमर सेटिस्फेक्शन सर्वे) में राजा भोज एयरपोर्ट को पांचवां स्थान मिला है। भोपाल ने रांची, अगरतला, गया एवं सूरत एयरपोर्ट को पछाड़ते हुए यह क्रम हासिल किया है। खजुराहो, विजयवाड़ा एवं तिरूपति एयरपोर्ट अब भोपाल से पीछे हो गए हैं। इंदौर एयरपोर्ट इस सर्वे में शामिल नहीं था। भोपाल को 5 में से 4.62 अंक मिले हैं। पिछले सर्व में 4.56 अंक मिले थे। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कांउसिल द्वारा निर्धारित सर्विस क्वालिटी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी साल में दो बार सर्वे कराती है। जनवरी से जून 2020 के दौरान हुए सर्वे में इस बार भोपाल ने पांचवा स्थान प्राप्त किया है। पिछली बार देश के 48 हवाई अड्डों पर सर्वे हुआ था। कोराना संकट के कारण इस बार केवल 17 हवाई अड्डों पर ही सर्वे हो सका।

अथॉरिटी ने शनिवार देर रात को सर्वे के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। कनेक्टिंग उड़ानें नहीं, कम हुए नंबर कोराना संकट के कारण इस साल भोपाल से कई उड़ानें बंद हो गई। स्पाइस जेट ने अपना बेस स्टेशन ही बंद कर दिया। एयर इंडिया एवं इंडिगो की कई उड़ानें अभी तक बंद हैं। इस कारण भोपाल से देश के बाकी शहरों को जोड़ने वाली कनेक्टिंग उड़ानें नहीं मिलतीं। इस बिंदु पर भोपाल के नंबर पहली बार कम हुए हैं। पिछले सर्व में इस बिंदु पर 5 में से 4.57 अंक मिले थे। इस बार 4.41 अंक मिले हैं। पार्किंग सुविधा, सुरक्षा जांच में लगने वाले समय एवं खानपान सुविधाएं बेहतर होने से अंक बढ़े हैं।

महाकाल दर्शन के लिए अब सात दिन पहले हो सकेगी अग्रिम बुकिंग, जगह होने पर तत्काल बुकिंग भी निःशुल्क

उज्जैन, जेएनएन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में भक्त अब भगवान के दर्शन के लिए सात दिन पहले अग्रिम बुकिंग करा सकेंगे। मंदिर समिति ने अधिक भक्तों को दर्शन कराने के लिए बुकिंग स्लॉट में दर्शनार्थियों की संख्या भी बढ़ा दी है। अब प्रति दो घंटे में एक हजार के स्थान पर 1500 दर्शनार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। भक्तों के लिए तत्काल बुकिंग की सुविधा भी निःशुल्क कर दी गई है। हालांकि इसके लिए स्लॉट (निर्धारित समय) रिक्त होना जरूरी है। रविवार शाम कलेक्टर आशीष सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किए। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण और जनस्वास्थ्य को देखते हुए मंदिर में अग्रिम बुकिंग के आधार पर ही श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया जा रहा है। अब व्यवस्था में फेरबदल किया गया है। अब तक भक्त दर्शन के लिए दो दिन पहले तक ही अग्रिम बुकिंग करा सकते थे लेकिन सोमवार से लागू होने वाली नई व्यवस्था के तहत दर्शनार्थी सात दिन पहले मंदिर की वेबसाइट अथवा एप पर दर्शन के लिए बुकिंग करा सकेंगे।

अगर त्योहारों में लापरवाही की तो देश में विकराल हो जाएगा कोरोना : स्वास्थ्य मंत्री

सोशल मीडिया फॉलोअर्स के साथ संडे संवाद प्लेटफॉर्म पर आज चर्चा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने त्योहारों के मौसम में कोरोना से कैसे बचें इसको लेकर बातचीत की। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह त्योहारों को सावधानीपूर्वक मनाएं

नई दिल्ली, एजेंसियां। देश में त्योहारों का मौसम अब काफी करीब आ गया है। अगले सप्ताह से नवरात्र की शुरूआत होने के साथ त्योहार का सीजन शुरू हो जाएगा। आने वाले समय में दशहरा, धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं, जिसमें लोग बाजार करने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा, दीवाली, छठ जैसे त्योहारों को देखते हुए देश में कोरोना के मामलों में उछाल आने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

इसी आशंका के मद्देनजर देश के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने आज जनता से संवाद किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने आज लोगों को त्योहारों के मौसम में कोरोना से बचाव के तरीके समझाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह त्योहारों के मौसम में सावधानी बरतें, अन्यथा कोरोना फिर से विकराल हो जाएगा। सोशल मीडिया फॉलोअर्स के साथ 'संडे संवाद' प्लेटफॉर्म पर चर्चा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने त्योहारों के मौसम में कोरोना से कैसे बचें इसको लेकर बातचीत की।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आप इसे मेरी चेतावनी समझ लें या फिर सलाह, लेकिन अगर त्योहारों के दौरान हमने लापरवाही की तो कोरोना फिर से विकराल हो जाएगा। उन्होंने जनता से ये भी कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग को जीतने के लिए हमें पीएम मोदी के जन आंदोलन को गंभीरता से लेना होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने इसके साथ ही कहा कि दुनिया का कोई भी भगवान या धर्म ये नहीं कहता है कि आप जिंगी को खतरे में डालकर त्योहार मनाएं। उन्होंने लोगों से सावधानीपूर्व त्योहार मनाने की अपील कती। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान 'दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी' का पालन जरूर करें। त्योहारों पर बाहर जाने के बजाय घर पर रहकर परिवार के साथ त्योहार मनाएं।

सर्दियों में कोरोना के मामले बढ़ने की संभावना से जुड़े एक सवाल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई तथ्य सामने नहीं आया है जिससे ये पता चल सके कि वातावरण में होने वाले परिवर्तन से कोरोना पर कोई असर पड़ता है कि नहीं। इससे पहले नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञों की समिति ने इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि अगर आने वाले त्योहारों को लेकर सावधानी नहीं बरती गई तो अकेले दिल्ली में रोजाना कोरोना के 15,000 नए मामले आ सकते हैं।

भारत ने 7 अक्टूबर के बाद से कोरोना वायरस के नए दैनिक मामलों की संख्या में गिरावट देखी है, जिससे यह संकेत मिलता है कि कोरोना वायरस की पहली लहर देश में खत्म होने के संकेत दे रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस बीच कहा है कि देश में एक्टिव मामलों की संख्या लगातार गिर रही है। ऐसे में त्योहारों के मौसम में लापरवाही बरतने से ये लहर दोबारा आ सकती है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज सोमवार, 12 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

रामलीला दुगार्पूजा कमेठी का गठन निकलेंगें जुलूस

मऊआइमा। मऊआइमा कस्बा का ऐतिहासिक रामलीला एंव जुलूस अपने परम्परागत ढंग से निकलेगा। जिसके लिए कमेटी का गठन कर दिया गया है।

मऊआइमा कस्बा में रामलीला कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी के अध्यक्ष मनोज कुमार साहू, महामंत्री देव नारायण मौर्या, प्रबंधक प्रदीप केसरवानी, मेला प्रबंधक नंदलाल मौर्या, नन्हें केसरवानी, मोनू केसरवानी, प्रवीण केसरवानी, बबलू जायसवाल, राजेन्द्र साहू, विनोद मोदनवाल, केदार केसवानी आदि को चुना गया । कमेटी के लोगों ने बताया कि 17 अक्टूबर को कर्ण घोडा का ऐतिसाहिक जुलूस निकलेगा एंव उसी दिन से रामलीला की शुरूआत होगीं । तथा दुर्गा प्रतिमाएं पूर्व की तरह स्थापित होगी। कमेटी के लोगों ने चेतावनी दी है कि मास्क पहनना तथा सोशल डिस्टेंसिंग अनिवार्य होगा जो भी मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करेगा उसके खिलाफ कमेटी सख्त कार्यवाही करूंगी।

खड़ी ट्रक से टकराई कार तीन की हालत गंभीर

फूलपुर। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जा घुसी। जिससे कार के परखच्चे उड़ गए वहीं कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर मौके पर जुटे ग्रामीणों ने सभी को सीएचसी फूलपुर भिजवाया।

जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक होने पर सभी को शहर के लिए रेफर कर दिया। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के सावडीह गांव के सामने रविवार भोर करीब दो बजे सड़क के किनारे खड़ी ट्रक में एक कार भीड़ गई। कार में सवार जनपद मऊ के सराय मधुबन बरसात पुर दोहरी गांव निवासी हिटलर (70) पुत्र जगपाल, श्रीराम शर्मा (65) लालजी (43) गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे ग्रामीणों की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने गंभीरावस्था के चलते शहर के लिए रेफर कर दिया।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार व जमीन पर लेटे घायल

कार से मऊ जाते समय खड़ी ट्रक में जा भिड़े। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए । चीख-पुकार सुन ग्रामीणों ने सभी को सीएचसी फूलपुर भिजवाया। जहां गंभीर अवस्था में चिकित्सकों ने यह एसआरएन के लिए रेफर कर दिया।

हवन पूजन करते भाजपाई

उप मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के लिये भाजपाइयों ने किया हवन पूजन

नवाबगंज। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कोरोना पॉजिटव हो जाने बाद भाजपा मंडल कौड़िहार के प्रभारी सुरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में आयोजन किया गया उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिये श्री नर्वदेश्वर मन्दिर प्रांगण कौड़िहार में हवन पूजन किया गया। पूजन कार्यक्रम पण्डित नीरज मिश्रा के द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर रेलवे सलाहकार सदस्य राम कैलाश सरोज, मण्डल अध्यक्ष राजू पाल, वरिष्ठ नेता विनोद ओझा, जिला मंत्री तुलसीराम सरोज, मण्डल महामंत्री अशोक शंकर, मण्डल मंत्री ऋतु राज पांडेय, छविनाथ शुक्ला, अंकित सिंह, आनन्द मोदनवाल, ललित साहू, रमेश पाल, अखिलेश मिश्र, रामप्रकाश आदि लोग रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचला दर्दनाक मौत, मचा कोहराम

नवाबगंज। रविवार की भोर मार्निंग वाक पर निकले एक युवक को ट्रक ने कुचल दिया। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हाइवे मार्ग पर घटी घटना को देखकर लोगों का मजमा लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की खबर पाकर परिजन भी रोते-विलखते हुए मौके पर पहुंचे, जहां परिजनों में कोहराम मचा रहा। घटना नवाबगंज इलाके के कसारी गांव के समीप लखनऊ-प्रयागराज हाइवे मार्ग की है।

थाना नवाबगंज दुबरा जगदीशपुर गांव निवासी नितिन दूबे (30) पुत्र ननकऊ रोज की तरह रविवार की भोर घर से टहलने के लिए पैदल निकला था। बताया जाता है कि लखनऊ-प्रयागराज हाइवे मार्ग पर जा रहा था। बताया जाता है कि एक तेज रफ्तार की ट्रक ने नितिन दूबे को कुचल दिया। जिससे मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों को मजमा लग गया। सूचना पाकर नवाबगंज की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घटना के बाद परिजन को रो-रोकर बुरा हाल रहा। फिलहाल पुलिस घटना मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

बीमार चल रहे युवक ने फांसी लगाकर दी जान

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ में एक युवक ने अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के इकलौते संतान की मौत से पूरे घर में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड संख्या 10, राजा कोठी के निवासी वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू के बेटे शिवा ने शनिवार की दोपहर आवास में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे घर में कोहराम मच गया। हृदय विदारक समाचार सुनकर नगर पंचायत शंकरगढ़ के साथ ही आसपास के लोग भी शोकाकुल हो गए। बताया जाता है कि शिवा पिछले डेढ़ माह से बीमार चल रहा था। इस वजह से उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती थी। हंसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी शिवा के द्वारा आत्महत्या किए जाने के समाचार से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। वीरेंद्र प्रताप सिंह के घर पर शोक संवेदना जताने वालों का तांता लगा हुआ है।

बेटी ही देश की भाग्यविधाता : श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी

करमा। वर्तमान समय में हर क्षेत्र में बेटियाँ सफलता की राह पर अग्रसरित हैं। शिक्षा, राजनीति, स्वास्थ्य, सेना आदि सभी क्षेत्रों में बेटियाँ शीर्ष पदों पर विराजमान होकर गाँव, समाज, परिवार, राष्ट्र कों गौरवान्वित करनें का कार्य कर रहीं हैं उक्त बातें बारा तहसील में जारी हल्के की कानूनगो की लेखपाल श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी नें अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों के सम्मान में वर्चुअल मीटिंग कें माध्यम से बतौर मुख्य वक्ता कें रूप में व्यक्त की आगे श्रीमती द्विवेदी नें यह भी बोली कि समय कें साथ समाज एवम राष्ट्र में काफी बदलाव हों रहें हैं हम विश्व पटल पर अपने देश कों तभी गौरवान्वित एवम सर्वश्रेष्ठ साबित कर सकते हैं विकास रूपी पहिए में स्त्री एवम पुरुष कों समान नजरिये से तवज्जो मिलेगा इसीलिए बेटियों कों पढ़ाना एवम बराबरी का दर्जा देना बहुत ही आवश्यक हैं इस दौरान श्रीमती द्विवेदी नें बेटियों के लाभान्वित करनें वाली उत्तर प्रदेश सरकार कें द्वारा संचालित अनेकों कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने एवम लाभ लेनें की अपील कें साथ कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, बाल विवाह कों समाज के विकास में अवरोधक बताते हुए उक्त सामाजिक बुराइयों कों जड़ से उखाड़ फेंकने हेतु युवाओं एवम समाज कें वरिष्ठ नागरिकों कों आगे आने का निवेदन की। बताया जाता हैं श्रीमती प्रतिमा द्विवेदी बहुत ही मिलनसार एवम अपने कर्तव्य कें प्रति तटस्थता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं।

पेड़ से लटकता मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ में एक युवक ने अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के इकलौते संतान की मौत से पूरे घर में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड संख्या 10, राजा कोठी के निवासी वीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ पप्पू के बेटे शिवा ने शनिवार की दोपहर आवास में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे घर में कोहराम मच गया। हृदय विदारक समाचार सुनकर नगर पंचायत शंकरगढ़ के साथ ही आसपास के लोग भी शोकाकुल हो गए। बताया जाता है कि शिवा पिछले डेढ़ माह से बीमार चल रहा था। इस वजह से उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती थी। हंसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी शिवा के द्वारा आत्महत्या किए जाने के समाचार से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। वीरेंद्र प्रताप सिंह के घर पर शोक संवेदना जताने वालों का तांता लगा हुआ है।दूर पर एक विवाहिता का शव पेड़ से लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस घटना को प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला मान रही है।

खीरी थाना क्षेत्र के लालतारा गांव निवासी संतोष आदिवासी ने अपनी 25 वर्षीय बेटी पार्वती आदिवासी की शादी चार वर्ष पूर्व हिन्दू रीति रिवाज से कोरांव थाना क्षेत्र के दोनमती गांव निवासी अरूण आदिवासी के साथ की थी। बताया जा रहा है कि अरूण परिवार के भरण-पोषण के लिए बाम्बे में प्राइवेट काम करता है। वह वर्तमान में बाम्बे है। घर पर पार्वती अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी ससुर समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहती थी। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह जब परिवार के लोग सोकर उठे तो घर से कुछ दूर स्थित एक पेड़ से वह लटकती हुई दिखाई दी। यह देखते ही परिवार के लोगों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस एवं मायके वालों को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस घटना को प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला मान रही है। मृतिका के मायके वालों ने अबतक कोई तहरीर नहीं दी है।

घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

युवक पर लोहे की राड और चाकुओं से हमला कर आरोपी फरार

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर खेत गये युवक पर लोहे की राड और चाकुओं से हमला कर मार पीट कर बेहोश कर दिया गया। हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया परन्तु पुलिस की गिरफ्त से आरोपी फरार हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम परमानन्दपुर निवासी दिलीप कुमार पुत्र राम जतन का आरोप है कि उनका भतीजा जीतेन्द्र कुमार खेत गया था। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर उनके विपक्षी एक राय होकर हाथों में लोहे की राड और चाकू लेकर जीतेन्द्र कुमार पर हमला कर दिए। जिससे घायल जीतेन्द्र कुमार बेहोश हो गया। जीतेंद्र कुमार को पहले स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने शहर के लिये रेफर कर दिया। दिलीप कुमार पुत्र राम जतन ने मऊआइमा थाने में अभिनव कुमार, अखिलेश कुमार, राम अवध तथा दो अज्ञातों के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। दिलीप कुमार का आरोप है कि उसके भतीजे जीतेन्द्र कुमार पर कातिलाना हमला करके घायल करने वाले आरोपियों की पुलिस अभी तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। वह खुलेआम घूम रहे हैं और धमका रहे हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से किसी भी समय दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो सकता है ।

अरैल स्थित पुराने व पक्के घाट पर साफ सफाई अभियान चलाते स्वयंसेवक

सफाई के साथ ही कोरोना से बचाव के लिए किया जागरूक

नैनी। सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान अरैल की ओर से रविवार को नैनी के अरैल स्थित पुराने व पक्के घाट पर स्वयंसेवकों ने कोरोना वैश्विक महामारी से बचाव हेतु जनजागरण, स्वच्छता,जल संरक्षण, पालीथीन मुक्त गंगा, यमुना तट एवं नदी के स्वच्छ जल निर्मलीकरण हेतु अभियान चलाया गया। संस्थाध्यक्ष संतोष तिवारी ने जागरूक करते हुए कहा कि गंगा में स्नान करने वाले गंगा भक्त, गंगा को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें, गंगा में पुराने माला फूल, टूटे फूटे चित्र आदि डालकर गन्दगी न फैलाएं और लोगों को गन्दगी करने से मना करें। कोषाध्यक्ष मनीष पांडेय ने कहा कि कोरोना महामारी से बचने के लिए घर से बाहर निकलते समय चेहरे पर मास्क लगाकर ही निकले और सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए हाथों को समय-समय पर सेनेटाइज व साबुन से धुलते रहें। आस-पास दुकानदारों, स्नानार्थियों, तीर्थ पुरोहितों एवं नाविकों को गंगा तटों पर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान कुंवर जी तिवारी, निखिलेश पांडेय, धीरज यादव, सहदेव चौरसिया, महेश प्रसाद केसरवानी, प्रतीक त्रिपाठी, संतोष गौतम, सुनील कुशवाहा, संजय श्रीवास्तव, संदीप सिंह, आत्म प्रकाश यादव, दिलीप सिंह, बृजेन्द्र नारायण शर्मा, रोहित तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

आधार कार्ड में संशोधन व मोबाइल पंजीयन के लिए छात्र परेशान

फूलपुर। आधार कार्ड में मोबाइल नंबर का पंजीकरण करवाने के साथ ही संशोधन के लिए आधार पंजीयन केन्द्रो पर छात्रों की भीड़ उमड़ पड़ी है। वहीं एक दिन में न्यूनतम पंजीकरण की बाध्यता ने आधार कार्ड धारकों की परेशानी को बढ़ा दिया है। शनिवार को इफको परिसर के अंदर पोस्ट आफिस में बन रहे आधार पंजीयन केन्द्र पर जाने के लिए ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई जिन्हे मुख्य द्वार पर ही रोक कर कतारबद्ध तरीके से पंजीकरण फार्म वितरित कर निर्धारित तिथि पर आने को कहा गया। बगई गांव की छात्रा महिमा ने बताया कि आधार कार्ड में मोबाइल नंबर जुड़वाने के लिए कई दिनों से पंजीकरण केंद्र का चक्कर लगा रही हूं पर काम नहीं हो पा रहा है। वीरकाजी, पूरेसूदी, परासिनपुर, बाबूगंज, पाली गांव के ग्रामीणों ने बताया की वह अपने आधार में नाम संसोधन के लिए आए हैं।

आधार पंजीयन के लिए इफको गेट पर कतार में खड़े छात्र

बता दें कि आधार कार्ड पंजीयन के लिए चुनिंदा केन्द्र ही बनाए गए हैं। नतीजतन आधार के लिए लोग सुबह से ही केन्द्र पर जमा होने लगते हैं। कुछ केन्द्रो पर आए दिन तकनीकी खराबी के चलते ग्राहकों को बेरंग वापस भी लौटना पड़ता है। छात्रों के साथ ही अन्य ग्रामीणों ने बैंक व पोस्ट आफिस के अतिरिक्त बाहर भी आधार पंजीयन करने की मांग की।

अमेरिका की महिला से फेसबुक पर दोस्ती से ठगी का शिकार होने से बचा युवक

करछना। फेसबुक मैसेन्जर पर दोस्ती कर पहले विस्वास जमाया बाद मे गिफ्ट भेजने के नाम पर 38 हजार कस्टम चार्ज के नाम पर खाते मे पैसा ट्रांसफर करने की मांग की गई लेकिन सूजबूझ का परिचय देते हुए युवक ठगी होते होते बच गये। करछना गांव निवासी राजेश शुक्ला के साथ फेसबुक पर लंदन से नैंसी और वेरा ब्राउन नामक लडकी द्धारा फेसबुक पर दोस्ती करने के कुछ ही दिनो बाद लंदन से गिफ्ट भेजने की बात कही जिसपर राजेश शुक्ला कोविड 19 की वजह से फ्लाइट न चलने की बात कही गई तो नैंसी द्धारा कारगो विमान से गिफ्ट सामान मुम्बई के जरिए करछना भेजने की बात कही गई।5 दिन बीतने के बाद मुम्बई से एक महिला ने फोनकर राजेश से बताया कि मै कस्टम विभाग से बोल रही हूं आपका लंदन से गिफ्ट आया है और मेरे बताये गये एकाउंट मे कस्टम चार्ज 38 हजार जमा करने की बात कही गई जिसपर राजेश शुक्ला ने अपने पास पैसा न होने की बात बताई इसपर लंदन से कईबार वीडीओ काल कर एकांउट में पैसा जमा करने के लिए कहा जिसपर पीडित राजेश शुक्ला को अपने साथ ठगी होने का अंदेशा होने पर वह सीधे सेल्टैक्स आफिस पहुचे और अधिकारी से बात करते हुए लंदन नैंसी से बात कराई अधिकारी को समझते देर नही लगी और पीडित को पैसा ट्रासफर न करने की सलाह दी।जिससे राजेश ठगी का शिकार होते होते बचे।राजेश ने अन्य लोगों से भी इस तरह की दोस्ती न करने की सलाह देते हुए कहा कि बैंक और सरकार द्धारा समय समय पर लोगो को जागरूक किया जाता है लेकिन इसके बावजूद भी लोग इस तरह से अक्सर ठगी के शिकार हो जाते है।

जारी पहाड़ी लिंकमार्ग पर जमा हुआ पानी, आवागमन प्रभावित

जारी। विकासखंड जसरा ब्लाक क्षेत्र के जारी पहाड़ी लिंक मार्ग जो कि अतरसुइया संपर्क मार्ग को जोड़ती है यह लिंक मार्ग 300 मीटर सड़क निर्माण नाली ना होने के कारण बेमौसम बरसात की वजह से ताल तलैया की बदहाली झेल रही है जोकि संपर्क मार्ग में पानी भरे होने से ग्रामीणों के आवाजाही में दिक्कत हो रही है जो कि लोगों के आने जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जिससे पैदल चलना दुश्वार हो गया है और किसानों ने भी जारी की मार्केट करते हैं और किसान गल्ला मंडी अपने साधन से आवाजाही इसी लिंक रोड से होकर गुजरते हैं लेकिन जारी पहाड़ी लिंक रोड में पानी भरे जाने के कारण आवाजाही परेशानियां बनी रहती है कई बार शिकायत करने के बावजूद आज तक नाली का निर्माण ना होने से सड़क पर जल जमाव की स्थिति बनी रहती है। ग्रामीणों की माने तो नाली ना होने के कारण सड़कों में पानी भरा रहता है जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है वही लोगों का कहना है कि ग्राम प्रधान से भी कई बार कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई तब गांव के लोगों ने वीडियो व तहसील प्रशासन से शिकायत की जिसके बावजूद यह लिंक मार्ग बदहाली का मार झेल रहा है गांव के हरी लाल पाल, राम लाल बिंद, धीरेंद्र प्रसाद, पुरुषोत्तम, राज विश्वकर्मा, आदि लोगों ने संपर्क मार्ग को सही कराए जाने की मांग की है।

जारी पहाड़ी लिंकमार्ग पर जमा गंदे पानी का दृश्य

जीवन को संवारने में खेल की भूमिका अहम : विमल शुक्ला

करमा । खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं नियमित रूप से खेलों मे भाग लेनें से शारीरिक, मानसिक मजबूती कें साथ करियर मे भी काफी सफलता प्राप्त होती हैं। क्रिकेट, बैडमिन्टन, कुश्ती, कबड्डी, रेस आदि खेलों कें विभिन्न उपक्रमों कें माध्यम से कोई भी व्यक्ति जीवन मे काफी आगे जा सकता हैं मेजर ध्यानचन्द्र, महेंद्र सिंह धोनी, सानिया मिर्जा, सचिन तेंदुलकर आदि इसके प्रमुख उदाहरण भी हैं उक्त बातें युवा समाजसेवी विमल शुक्ला नें रविवार कों क्षेत्र में स्थित एक विद्यालय में खिलाड़ियों कों सम्मानित करतें हुए बोले आगे उन्होने युवाओं से खेल कें क्षेत्र में आगे आकर देश एवम समाज कों गौरवान्वित करनें कें लिए प्रोत्साहित भी किये। युवा समाजसेवी श्री शुक्ला कें द्वारा सभी खिलाड़ियों कों मेडल, प्रशस्ति पत्र, मास्क इत्यादि भेंटकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर रामसुमन शुक्ल, इंजी.कमल शुक्ला, अमित मिश्रा (कुश्ती), प्रभात शुक्ला, अतुल पाण्डेय, अमित पान्डेय, विमलेश यादव, अंशुमान सिंह , धीरज सरोज, अंकित यादव, राहुल सरोज, विकास तिवारी, सोहित मिश्रा (वॉलीबॉल), गौरव पाण्डेय, अनुज मिश्रा, दानिश, दीपू भारतीया आदि (रेस) आदि लोग मौजूद रहें ।

युवा समाजसेवी विमल शुक्ला द्वारा सम्मानित खिलाड़ी

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

अंग्रेजी सप्ताह के अवसर पर आयोजित हो रही व्याख्यानमाला

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेल सिविल लाइन परिसर में 9 अक्टूबर से अंग्रेजी सप्ताह शुरू है। इस दौरान व्याखानमाला श्रृंखला का आयोजन किया गया है। अंग्रेजी सप्ताह कार्यक्रम में प्रतिदिन विभिन्न विद्ववजनों द्वारा आनलाइन एवं आफलाइन उद्बोधन हो रहा है। 9 अक्टूबर को पीपीएन कॉलेज कानपुर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुमन सिंह ने अपने व्यक्त किया। 10 अक्टूबर को प्रातः काल वन्दना सभा में प्रतापगढ़ के राजकीय महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विष्णु प्रताप सिंह ने अंग्रेजी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में 12 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ जया कपूर अंग्रेजी भाषा के महत्व पर अपने विचार विद्यालय की वंदना सभा में प्रस्तुत करेंगी। इस व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन अंगेजी विभाग के द्वारा विभाग के प्रवक्ता तेज प्रताप सिंह एवं पवन कुमार दीक्षित के मार्ग निर्देश पर किया जा रहा है।

जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारित कराने को कृतसंकल्पित : सिद्धार्थ नाथ सिंह

प्रयागराज। जनता से रूबरू होने के बाद प्रदेश सरकार के प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करने के लिए कृतसंकल्पित है।

उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं को वैश्विक कोरोना महामारी के दौर में सोशल डिस्टेंसिग और फेसकवर लगाकर भारत एवं यूपी सरकार की योजनाओं को घर घर जनजागृति करने में सफलता के मंत्र दिए।

प्रयागराज प्रवास के दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित जनता की समस्याओं को सोशल डिस्टेंसिग के साथ सुना। इससे पहले विधानसभा शहर पश्चिमी में विकास कार्यों को लेकर प्रगति पर समीक्षा किया।कहाँ कहाँ पर क्या समस्याएं बड़ी रूप से है जो जनाकांक्षाओं के मूलभूत सुविधाओं का समाधान अतिशीघ्र होना चाहिए। शहर पश्चिमी में आगामी योजनाओं के विकास पर तेजी के साथ लगे रहने का दिशा पर मंथन और चिंतन के साथ बिंदुवार समीक्षा बैठक कर जाना। तत्पश्चात जनता की समस्याओं को क्रमशः रूबरू हुए। सम्बंधित अधिकारियों को फोन पर कड़े रूप से निर्देशित किया कि लापरवाह अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे।जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करने का निर्देश दिया। कार्यकताओं एवं जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित कराने के लिए कृतसंकल्पित हूँ। समाजसेवी संतोष गुप्ता ने सैनीटाइजर और फेसकवर मंत्री जी के निर्देश पर उपस्थित लोगों को वितरित किया।जिस पर सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा वैश्विक कोरोना महामारी लगातार बना हुआ है लोगों को सरकार और डॉक्टर द्वारा निर्धारित निदेशों का कड़ाई के साथ अनुपालन करते रहे।सोशल डिस्टेंसिग और मास्क तथा हाथों में समय समय पर सैनिटाइजर लगाने या साबुन से धोने पर जीवन की सुरक्षा का कड़ा कवच है।समाज के लोगों को आगे बढ़कर गरीब असहाय और कोरोना योद्धाओं की सहायता का कदम जैसे बढ़ाते रहे है उसी तरह सहयोग देते रहे। सरकार हर संभव सहायता के लिए तत्पर है।

इस मौके पर क्षेत्रीय महामंत्री अमर नाथ यादव, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश कुमार, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, पूर्व अध्यक्ष अमर नाथ तिवारी ,वीरेंद्र बहादुर सिंह, पवन श्रीवास्तव, अनिल सिंह, ।जू राय, चंद्रभूषण सिंह पटेल, कुलदीप सिंह चैहान, कुलदीप पाल, नारायण केसरवानी, संतोष राय, संतोष गुप्ता, पवन मिश्रा, अरुण श्रीवास्तव, अजय राय, राजेश सिंह पटेल, कौशकी सिंह पटेल, किरण सिंह, शोभिता श्रीवास्तव, शिखा रस्तोगी, धनंजय सिंह, मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

जनता की समस्याओं को सुनते कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह

घरौनी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए साबित होगी लाभकारी : डॉ अजय कुमार

प्रयागराज। केन्द्र एवं राज्य सरकार के घरौनी योजना से ग्रामीण क्षेत्र में अपराध एवं विवादों में काफी कमी आएगी और ग्रामीणों को बैंक लोन सहित कई लाभ मिलेगा। यह योजना गरीबों, मजदूरों एवं किसानों के लिए अतिहितकारी साबित होगी। उक्त बांते रविवार को घरौनी वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बारा के विधायक डॉ. अजय कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से बैंक के माध्यम से वित्तीय सहयोग लेने में आसानी होगी। इसके साथ ही आवादी की जमीन को लेकर विवाद होते है यहां तक हत्याएं भी कर दी जाती है। इस अभियान से सरकार मारपीट समेत अन्य विवादों पर काबू पाने में काफी कामयाब साबित होगी। इस मौके पर मुख्य राजस्व अधिकारी ने बताया कि जनपद के बारा तहसील के दस गांवों को चिन्हित गांवों में कपारी, चुंदवा, अभयपुर, लकहर, लोहगरा, बराडीह, बकुलिहा, जोरवट, देवरा और नीवीं का ड्रोन सर्वे 23 जुलाई 2020 से 25 जुलाई 2020 के दौरान भारतीय सर्वेक्षण मंत्रालय के सहयोग से किया गया था। ग्राम सभा के सहयोग से ड्रोन सर्वे के द्वारा तैयार किए गए चिन्हित आवादी गाटों पर बने मकानों के मानचित्र व चैहद्दी तैयार कर सहमति के आधार पर 1400 से अधिक अविवादित भूखंडों की घरौनी (ग्रामीण आवासीय अभिलेख) राजस्व कर्मियों के द्वारा तैयार की गयी। जिसके वितरण का शुभारम्भ आज किया जा रहा है। आज 16 ग्रामीणों को उनके आवास का घरौनी राजस्व अभिलेख दिये गए।

इस मौके पर सांसद प्रयागराज के प्रतिनिधि संत प्रसाद पाण्डेय, उपजिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव तहसील बारा के सभागार में उपस्थित रहे।

पुराने घर की साफ सफाई के दौरान घड़े में मिले सांप के सैकड़ों अंडे

मेजा। मेजा क्षेत्र के जमुआ गांव मे काफी समय से बंद पड़े मकान की सफाई के दौरान परिजनों को एक घड़े में सांप का मांद मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घड़े में सांप के सैकड़ों अण्डे-बच्चे थे। विकास खंड मेजा के जमुआ गांव निवासी विजय कुशवाहा ने बताया कि उनके चाचा धर्मवीर कुशवाहा नैनी स्थित प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक हैं। वह परिवार सहित नैनी में काफी दिनों से रहते हैं ' गांव का मकान काफी समय से बंद पड़ा था । ऐसे में मकान की मजदूरों द्वारा साफ सफाई किया जा रहा था। उसी दौरान घर के अन्दर एक दबा हुआ घड़ा दिखाई दिया। पुराने मकान में दबे हुए घड़े को देखकर सभी के मन में तरह-तरह की बातें उत्पन्न होने लगी उसी दौरान घर का एक सदस्य घड़ा खोलकर देखा तो सांप के सैकड़ों अण्डे बच्चे दिखाई दिए। जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया कयास लगाया जा रहा है कि मिट्टी के मलबे में दबा घड़ा का मुंह खुला होगा उसमे काफी दिनों से सर्प वास करता रहा होगा। हालांकि इस मामले को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं व्याप्त हैं।

कांग्रेस ने प्रमोद तिवारी को बनाया स्टार प्रचारक, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

प्रयागराज। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रमोद तिवारी को स्टार प्रचारक बनाया। इस मौके पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने रविवार को सिविल लाइंस स्थित उनके आवास पर पहुंचे और फूलों की माला पहनाकर बधाई दी।

प्रमोद तिवारी ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीजेपी की नौजवान और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आम जनमानस में घोर आक्रोश व्याप्त है। जिसका परिणाम बिहार विधानसभा चुनाव में साफ देखने को मिलेगा। वहीं दो तिहाई बहुमत के साथ आरजेडी और कांग्रेस की सरकार बनेगी। प्रमोद तिवारी ने दो शब्दों में कहा कि बिहार में नीतीश सरकार की विदाई गाजे-बाजे के साथ की जाएगी। स्वागत करने वालो में जिलाध्यक्ष अरुण तिवारी, रामकिशुन पटेल, नफीस अनवर, मकसूद खान, सुधाकर तिवारी, तलत अजीम, मुकुन्द तिवारी, हसीब अहमद, गौरव पाण्डेय, महेश त्रिपाठी, जावेद उर्फी, दीपचंद्र शर्मा, मुन्ना उपाध्याय, नैय्यर रिजवी, मकसूद शेख, तंजीद अहमद, अजगर मदनी, दानिश माबूद समेत आदि लोग।

कार्यकर्ताओं के साथ स्टार प्रचारक प्रमोद तिवारी

अरई ने जीती दूसरी जमुनापार वॉलीबाल लीग की ट्राफी

पुरस्कृत विजेता टीम के खिलाड़ी

प्रयागराज। स्थानीय उरुवा ब्लाक के अछोला गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान पर यूनाइटेड वालीबॉल क्लब अछोला के सौजन्य से प्रयागराज जिला बालीवाल संघ द्वारा जमुनापार के विभिन्न अंचलों में खेली जा रही वर्तमान सत्र 2020-21 की दूसरी वालीबाल लीग प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कुल 18 टीमों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उक्त प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 12 मैच तथा दूसरे दिन 5 मैच खेले गए। प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेले गए सेमीफाइनल मैचों में आदर्श क्लब अरई ने वॉलीबाल क्लब उचडीह को हराकर तथा फ्रेंड्स क्लब मेजा ने वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर की टीमों को हराकर फाइनल ने प्रवेश किया था। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण रहा,जिसमे अंतिम क्षण तक दोनों टीमें एक-एक अंक के लिए जूझती रही। अंत मे आदर्श क्लब अरई ने फ्रेंड्स क्लब मेजा को 25-23, 26-24 और 28-26 अंको से हराकर दूसरी लीग प्रतियोगिता की चल बैजंती जीत ली। अभिषेक सिंह, योगेंद्र पटेल, प्रभाकर चौबे, मुकेश शुक्ला और नितिन मिश्रा ने निर्णायक की भूमिका अदा की। उक्त प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह एसोसिएशन के सचिव आर.पी.शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जबकि एसोसिएशन के संयुक्त सचिव(जमुनापार) पंकज शुक्ला ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। फ्रेंड्स क्लब मेजा के खिलाड़ी विवेक शुक्ला को मैन ऑफ दी मैच की ट्राफी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन के.एन. शुक्ला (पत्रकार) ने किया। आयोजन समिति की ओर से आशीष पांडेय, गिरीश पांडेय, प्रशांत, आयुष शुक्ला एवं अखिलेश पांडेय ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया।

भाजपा के कार्यकर्ता पार्टी के रीति-नीति सामाजिक राजनैतिक स्मरण को बढ़ाएंगे

नैनी । भारतीय जनता पार्टी यमुनापार अपने कार्यकताओं के बैचारिक स्तर, स्मरण को बढाने सामाजिक, राजनैतिक स्तर की जानकारी के साथ पार्टी के रीति-नीति व्यक्तित्व विकास,विचार परिवार से अवगत कराने के लिए रविवार को दोपहर 2 बजे वृज मंगल सिंह इंटर कालेज रामपुर मे व्यवस्था बैठक का आयोजन किया। जिसके मुख्य वक्ता जिला महामंत्री विजय शंकर शुक्ला रहे। साथ मे जिला उपाध्यक्ष राजेश शुक्ला,जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पांडेय,जिला मंत्री विनोद प्रजापति,जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी आदि ने विचार को व्यक्त करते हुए यमुनापार के सभी 20 मंडलों मे दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन करने की योजना कोरोना प्रोटोकॉल के तहत बनाई गई। बैठक मे मंडल अध्यक्ष करछना पंकज द्विवेदी,मंडल अध्यक्ष भीरपुर अजय सिंह,मंडल अध्यक्ष भडेवरा प्रदीप पांडेय,मंडल अध्यक्ष सोमेश्वर महादेव नागेश कुमार निषाद,पंकज शुक्ला,श्यामधर द्विवेदी,राम मनोहर लोहिया, विवेक मिश्रा,राभवन द्विवेदी आदि कार्यकर्ता प्रशिक्षण व्यवस्था बैठक मे मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने दी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

विज्ञापन 47 असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र के लिए एमएड की अर्हता पर आज आएगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

प्रयागराज। 12 अक्टूबर को यानी आज माननीय सर्वोच्च न्यायालय एमएड के परास्नातक उपाधि होने एवं असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र हेतु अर्ह होने सम्बन्धी मामले पर बड़ा फैसला सुनाने जा रहा है। ध्यातव्य है कि दिनाँक 23 सितंबर 2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट में असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र के लिए एमएड की अर्हता सम्बन्धी मामले पर सुनवाई पूरी हो गयी थी एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपना निर्णय सुरक्षित कर लिया था। लगभग 3 घण्टे लंबी सुनवाई में यूजीसी, एनसीटीई, यूपीएचईएससी, उत्तर प्रदेश सरकार एवं याचिकाकताओं के अधिवक्ताओं ने जोरदार बहस की थी। अखिल भारतीय एमएड बचाओ महासंघ के धीरज पाण्डेय एवं सुप्रीम कोर्ट में मुख्य याची आनन्द यादव ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट में हरएक पहलू पर विचार किया गया, ताकि असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र हेतु एमएड उपाधि की अर्हता के विवाद का हमेशा के लिए पटाक्षेप हो सके। इसके पूर्व माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 के अपने एक निर्णय में एमएड उपाधि को असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र हेतु अर्ह नही माना था, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

58 साल बाद नवरात्रि पर दुर्लभ संयोग, घोड़े पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

आलोक पाठक

जसरा। 17 अक्टूबर से शारदीय नवरात्र की शुरूआत हो रही है। मां के नवरात्रों का भक्तों को साल भर इंतजार रहता है और शारदीय नवरात्रों का महत्व सभी नवरात्र में सबसे अधिक माना जाता है। लेकिन इस बार 58 साल बाद नवरात्र के मौके पर दुर्लभ संयोग बन रहा है। दरअसल इस बार मां दुर्गा घोड़े पर सवार होकर अपने भक्तों को दर्शन देने आ रही हैं।

इस साल नवरात्रि पूरे नौ दिनों की होगी. इस दिन सूर्य तुला राशि से प्रवेश कर नीचे हो जाएंगे। 17 अक्टूबर को बुध और चंद्र भी तुला राशि में रहेंगे। चंद्र 18 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा लेकिन सूर्य और बुध का यह योग बुधादित्य योग के नाम से पूरे नवरात्र तक रहेगा।

17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन से नवरात्रि शुरू होने से इस बार देवी का वाहन घोड़ा रहेगा। नवरात्रि जिस दिन से शुरू होती है, उसके अनुसार देवी का वाहन बताया गया है। अगर नवरात्रि सोमवार या रविवार से शुरू होती है तो देवी का वाहन हाथी होता है। शनिवार और मंगलवार से नवरात्रि शुरू होती है तो वाहन घोड़ा रहता है। गुरुवार और शुक्रवार से नवरात्रि शुरू होने पर देवी डोली में सवार होकर आती हैं। बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है तो देवी का वाहन नाव रहता है।

राशियों पर असर

मेष राशि- विवाह के योग, प्रेम में सफलता, **वृष राशि-** शत्रु पर विजय, रोगों से छुटकारा, **मिथुन राशि-** संतान सुख, नौकरी में प्रमोशन, धन का लाभ, **कर्क राशि-** माता से सुख, वैभव बढ़ेगा, कार्य में सफलता और सम्मान, **सिंह राशि-** पराक्रम में वृद्धि, भाई से मदद, फल की प्राप्त, **कन्या राशि-** संपत्ति का लाभ, **तुला राशि-** सोचे हुए कार्य का पूर्ण, प्रसन्नता, **वृश्चिक राशि-** अनावश्यक खर्च, पारिवारिक चिंता, **धनु राशि-** आर्थिक वृद्धि, सफलता, **मकर राशि-** मानसिक तनाव, अनावश्यक खर्च, **कुंभ राशि-** भाग्य में वृद्धि, साथी की मदद, **मीन राशि-** शत्रुओं से परेशानी, दुर्घटना का भय बना रहेगा।

इस साल नवरात्रि में शनि मकर में गुरु धनु राशि में रहेंगे। यह दोनों 58 साल बाद एक साथ अपनी अपनी राशि में रहेंगे। साल 2020 से पहले यह योग 1962 ई०में बना था।

इस बार नवरात्रि एक महीने देर से शुरू हो रहा है. जिसके कारण सभी प्रकार के मांगलिक कार्य अट-के हुए है. अब लोग नवरात्र का इंतजार कर रहे है. इन दिनों अधिकमास (पुरुषोत्ताम मास) चल रहा है। अब नवरात्र से ही शुभ लग्न शुरू हो सकेंगे।

इस बार दुर्गा पूजा और नवरात्रि की शुरूआत 17 अक्टूबर दिन शनिवार से हो रही है। ऐसे में मां घोड़े को अपना वाहन बनाकर धरती पर आएंगी। इसके संकेत अच्छे नहीं हैं। माना जाता है कि घोड़े पर आने से पड़ोसी देशों से युद्ध,सत्ता में उथल-पुथल और साथ ही रोग और शोक फैलता है। बता दें कि इस बार मां भैंसे पर विदा हो रही है और इसे भी शुभ नहीं माना जाता है।

ज्योतिषशास्त्र और देवीभाग्वत पुराण के अनुसार मां दुर्गा का आगमन आने वाले भविष्य की घटनाओं के बारे में हमें संकेत देता है और चेताता है। देवीभाग्वत पुराण में इस बात का जिक्र किया गया है कि देवी के आगमन का अलग-अलग वाहन है। माना जाता है कि अगर नवरात्रि की शुरूआत सोमवार या रविवार को हो रही है तो इसका मतलब है कि वो हाथी पर आएंगी। वहीं अगर शनिवार या फिर मंगलवार को कलश स्थापना हो रही है तो मां घोड़े पर सवार होकर आती है। गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्र का आरंभ होता है तो माता डोली पर आती हैं. वहीं बुधवार के दिन मां नाव को अपनी सवारी बनाती हैं।

यह है नवरात्रि कलश स्थापना की विधि और मंत्र

पंडित राजाबाबू सुपरी के अनुसार इस बार का शारदीय नवरात्रि आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 17 अक्टूबर से शुरू हो रही है। इस साल नवरात्रि पर राजयोग, द्विपुष्कर योग, सिद्धियोग, सर्वार्थसिद्धि योग और अमृत योग जैसे संयोगों का निर्माण हो रहा है। नवरात्रि में सबसे पहले दिन कलश स्थापना की जाती है। इस दिन कुछ लोग अखंड ज्योति भी जलाते हैं और कुछ ज्वारे भी बोते हैं। कलश स्थापना के लिए सुबह 6 बजे से 10 बजे का समय बहुत श्रेष्ठ है। अगर इस समय कलश स्थापना न कर पाएं तो 11 बजे से 12 बजे के पहले भी कलश स्थापना कर सकते हैं।

मां के नौ रूपों की पूजा

नवरात्रि में मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। शैलपुत्री, , ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

किस जगह करें कलश स्थापना

ज्योतिषाचार्य पं०राधेश्याम पाठक के अनुसार कलश स्थापना मंदिर के पास उत्तर-पूर्व दिशा में करनी चाहिए। जहां माता की चौकी लगानी और कलश स्थापित करना है। उस स्थान को अच्छे से गंगाजल से धो लें। इसके बाद वहां आटे से चौक बनाकर लकड़ी की चौकी रखें और इस पर लाल रंग से स्वास्तिक बना लें। इस पर आप कलश स्थापित कर सकते हैं।

नवरात्रि में नौ रंगों का महत्व

नवरात्रि के समय हर दिन का एक रंग तय होता है। मान्यता है कि इन रंगों का उपयोग करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

प्रतिपदा- पीला, द्वितीया- हरा, तृतीया- भूरा, चतुर्थी- नारंगी, पंचमी- सफेद, षष्टी- लाल, सप्तमी- नीला, अष्टमी- गुलाबी, नवमी- बैंगनी

नवरात्रि पूजा विधि

सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद स्वच्छ कपड़े पहनें, ऊपर दी गई पूजा सामग्री को एकत्रित करें, पूजा की थाल सजाएं, मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में रखें, मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोयें और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें, पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें, इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर आम की पत्तियां लगाएं और ऊपर नारियल रखें. कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें. अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें, फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योति के साथ पंचोपचार से करें पूजा।

नौ दिनों तक माँ दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें।

प्रयागराज सोमवार, 12 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

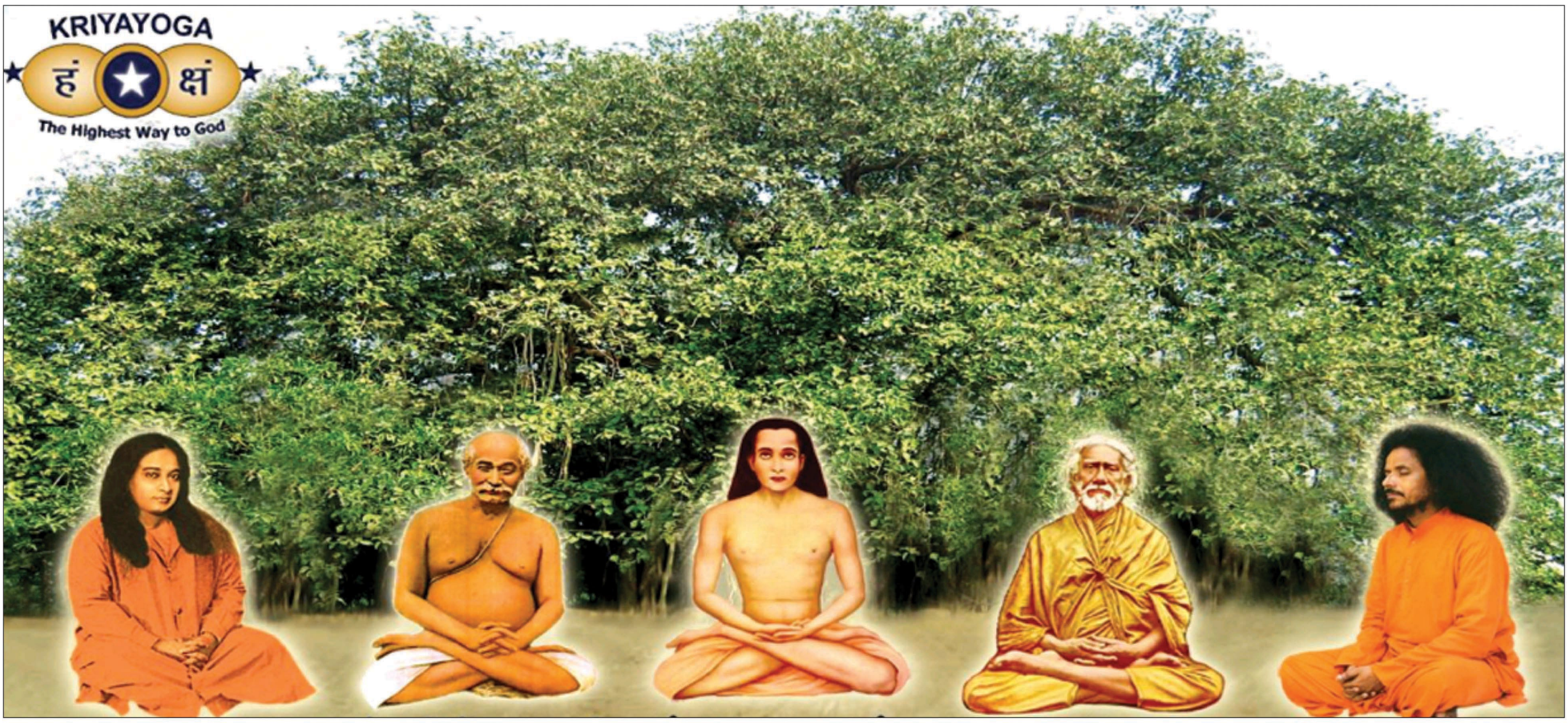

क्रियायोग एक आध्यात्मिक प्रकाश की ऊर्जा: स्वामी श्री योगी सत्यम

● क्रियायोग मानव के अंदर उन विचारों व भावनाओं का सृजन करता है, जिससे मनुष्य चिर स्वास्थ्य व अखंड शांति का अनुभव करते हुए अपने अमर अस्तित्व की अनुभूति में निरंतर बना रहता है। क्रियायोग अभ्यास मनुष्य में छिपी हुई अनंत शक्ति युक्त जीवनी शक्ति का शाश्वत दीप प्रज्वलित कर देता है। इस अवस्था में सुख-दुख बीमारी स्वास्थ्य, जीवन -मृत्यु आदि सब कुछ स्वप्न है, अनुभव होता है।

● क्रियायोग ध्यान में शाश्वत एकता के भाव व विचार प्रकट होते हैं, जो मानव मस्तिष्क से जाति भेद, रंगभेद, सांप्रदायिक-धार्मिक भेदभाव को पूरी तरह मिटा देता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य का हृदय, मन व बुद्धि तत्व सभी जीव जंतुओं के हृदय, मन बुद्धि से युक्त हो जाता है। इस अवस्था में पहुंचते ही मनुष्य को एकोऽहम्बहुष्यामि सत्य की अनुभूति होती है।

● गहरी नींद की परम आवश्यकता उन्हें होती है जो जागृत व स्वप्न की स्थिति में द्वंदात्मक विचारों के माध्यम से कार्य करते हैं। यह पाप है, वह पुण्य है, यह अपना है, वह पराया है, यह सुख देगा, वह दुख देगा आदि विचारों से जुड़कर जब आदमी घर वह घर के बाहर कार्य करता है, तब उसे गहरी नींद की बहुत आवश्यकता पड़ती है ' सोचिए ऐसा क्यों ? गहरी नींद में मनुष्य एकता के शाश्वत नियम में स्थित होता है ' वह अहंकार के माया जाल से मुक्त रहता है। यहां अहंकार के माया जाल से तात्पर्य है मनुष्य का अपनी विशेष पहचान बनाना। शरीर की उम्र, शरीर का रूप - रंग, जाति और धर्म, पारिवारिक संबंध- माता -पिता, भाई बंधु, पति-पत्नी आदि, सांप्रदायिक धार्मिक भाव- हिंदू, मुस्लिम, इसाई आदि, सामाजिक पद प्रतिष्ठा, अपमान, लिंगभेद स्त्री पुरुष आदि के रूप में अपने को पहचानना, मनुष्य का अहंकार के माया जाल में फंसना है। क्रियायोग के अभ्यास से गहरी नींद में अनुभव की गयी समता जागृत अवस्था में प्राप्त हो जाती है। ऐसी अवस्था में जिस सुख शांति की प्राप्ति होती है उसे लिखकर या कह कर व्यक्त नहीं किया जा सकता है ' अगर लिखकर या कह कर व्यक्त करना ही पड़े तो पूर्ण समता की स्थिति को अहम्ब्रह्मास्मि की स्थित कहते हैं। अहम्ब्रह्मास्मि की स्थिति में ही एकोऽहम्बहुष्यामि की अनुभूति होती है।

शाश्वत समता की अनुभूति होने पर मनुष्य में हिंसा का मायावी भाव विलुप्त हो जाता है, और वह सत्य व अहिंसा के शाश्वत अमर तत्व में स्थापित है, का बोध हो जाता है । ऐसी स्थिति में सेना पुलिस, शासन प्रशासन व न्यायाधीश का रूप बदल जाता है ' सभी एक दूसरे को ईश्वर की उपस्थिति के रूप में स्वागत करते हैं।

● क्रियायोग ध्यान से यह स्पष्ट हो जाता है कि मनुष्य के द्वारा किए गए संपूर्ण कर्म से प्राप्त अद्वितीय उपलब्धि से मनुष्य का अस्तित्व अनंत गुना अधिक श्रेष्ठ है। अनादिकाल से वेद, शास्त्र के सूत्र, मंत्र, विज्ञान और परा विज्ञान के सारे नियम आदि सब कुछ मानव के अंदर से बाहर की तरफ उसी तरह प्रवाहित होते रहते हैं जैसे हिमालय से पावन गंगा की अविरल धारा।

● क्रियायोग ध्यान में स्थित हो जाने पर पता चलता है कि अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच दूरी शून्य है। जिसे वर्तमान कहते हैं, वह अतीत का पूर्ण वयस्क रूप और भविष्य का पूर्ण गर्भ है।

क्रियायोग ध्यान से मनुष्य स्वतः बिना प्रयास के अनंत की यात्रा करने लगता है। जिसे प्रचलित भाषा में परमात्मा में भक्ति का विस्तार कहते हैं।

● क्रियायोग ध्यान में स्थित हो जाने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि सुख-दुख जन्म मृत्यु आदि स्वप्न है और साथ ही साथ सत्य की अस्पष्ट अनुभूति हो जाती है। सत्य क्या है ? को स्पष्ट करना वैसे ही अत्यंत कठिन है जिस प्रकार समुद्र में कितना बूंद पानी है, को गिनना कठिन है। सत्य अनुभूत में स्पष्ट अनुभव होता है कि पूरा दृश्य व अदृश्य जगत एक परम तत्व का व्यक्ति स्वरूप है । उसी परम तत्व को परम ब्रह्म, सर्वव्यापी परमात्मा कहते हैं। यह स्पष्ट हो जाता है कि परम ब्रह्म सर्वशक्तिमान व सर्वज्ञ है तथा उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। वह स्वयं 24 तत्वों के रूप में प्रकाशित हैं, महत तत्व (चित या हृदय तत्व), अहंकार तत्व (जीव), बुद्धि, मन, कर्ण ज्ञानेंद्रिय, त्वक (त्वचा) ज्ञानेंद्रिय, नेत्र ज्ञानेंद्रिय, जिह्वा (स्वाद) ज्ञानेंद्रिय, नाक ज्ञानेंद्रिय, वाक (कंठ) कर्मेंद्रिय, हस्त (हाथ) कर्मेंद्रिय, पद (पैर) कर्मेंद्रिय, प्रजनन कर्मेंद्रिय, गुदाद्वार (मल निष्कासन) कर्मेंद्रिय, पंच तनमात्रा, पंच स्थूल तत्व (आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी) इत्यादि। इसी सत्य की अनुभूति को एकोऽहम्बहुष्यामि रूप में व्यक्त किया जाता है।

● क्रिया योग ध्यान से स्पष्ट हो जाता है कि ब्रह्मांड की प्रत्येक रचना में वह सभी तत्व स्थित है जिससे आवश्यकतानुसार कुछ भी प्रकट किया जा सकता है।

आकाश तत्व से प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, विटामिंस, मिनरल्स, वसा, जल, अग्नि, प्रकाश, ठोस, द्रव, गैस, वनस्पति जगत, जंतु जगत व मानव आदि को आवश्यकतानुसार प्रकट व अदृश्य किया जा सकता है । यही कारण है कि क्रियायोग के अभ्यास में जिसको परम आनंद की प्राप्ति होती है, उसको किसी भी प्रकार के पोषक तत्वों की कमी नहीं होती है।

● क्रियायोग के अभ्यास से अस्पष्ट अनुभव होता है कि मानव स्वरूप एक पूर्ण अस्तित्व है। अपने स्वरूप में एकाग्रता बढ़ाने से मनुष्य संपूर्ण दृश्य और अदृश्य जगत के साथ संपूर्ण एकता की अनुभूति करता है।

यहां एकता का अभिप्राय है दूरी की शून्यता। ऐसी स्थिति में मनुष्य अपने स्वरूप का रूपांतरण किसी भी आकार में करने में असमर्थ होता है। वह जब चाहे पेड़-पौधे जीव जंतु मानव आदि स्वरूप में प्रकट हो सकता है । अनेक आत्मज्ञानी ऋषि मुनि इसी तरह से प्रकट होते रहते हैं। क्रियायोग के अभ्यास में अपनी रुचि बढ़ाते जाएं और इतना अभ्यास करिए कि क्रियायोग का अभ्यास आनंद की अनुभूति बन जाए फिर जिस चीज की जहां आवश्यकता होगी वह चीज वहीं प्रकट हो जाएगी। पूरा विश्वास रखिए कि अगर पैसे की आवश्यकता पड़ी तो परम ब्रह्म पैसे के रूप में भी प्रकट हो जाएंगे।

● क्रियायोग ध्यान ईश्वरानुभूति की वैज्ञानिक प्रणाली है। इसका सभी देशों में प्रसार निरंतर बढ़ेगा। इससे मनुष्य अपने अंदर सर्वव्यापी कूटस्थ में स्थापित होकर सभी मनुष्य के हृदय क्षेत्र से जुड़ जाता है और आवश्यकतानुसार सभी की सेवा करने में पूर्ण सफल हो जाता है। ऐसे ही सफल व्यक्ति देश के न्यायाधीश, शासक व प्रशासक होंगे जिनके अंदर दिव्य मां का ममत्व होगा।

● क्रियायोग ध्यान में अतीत, वर्तमान और भविष्य के वे समस्त स्वरूप अनुभव होते हैं। जिससे मनुष्य को अपने सर्वव्यापी अस्तित्व का ज्ञान हो जाता है। इसी अवस्था को ईसा मसीह ने जब अनुभव किया तो उन्होंने कहा कि हमारे वह परमात्मा के बीच दूरी शून्य है। योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा कि सब मुझ में है और मैं सब में हूं' भगवान श्रीराम ने कहा कि सभी रूपों में मुझे ही देखो। आधुनिक युग के योगाअवतार श्री श्री श्यामाचरण लाहिड़ी ने कहा कि मैं ही किसुन हूं, मैं ही ब्रह्मा हूं । ज्ञानाअवतार परमहंस श्री श्री युक्तेश्वर गिरी जी ने स्पष्ट घोषणा किया कि पूरा ब्रह्मांड परम ब्रह्म का व्यक्त रूप है। प्रेमा अवतार श्री श्री परमहंस योगानंद जी ने कहा है कि मैं ही सर्वव्यापी ज्ञान तत्व हूं। हमारे व परमात्मा के बीच वही संबंध है जो लहर वह समुद्र के बीच है। क्रियायोग को इतना सीखिए कि 24 घंटा जागृत, स्वप्न और गहरी नींद की स्थिति में क्रियायोग के चैतन्य पूर्ण अभ्यास में प्रतिपल रह सके।

● क्रियायोग ध्यान में स्थित होने पर अंतःकरण में शास्त्रों की वास्तविक व्याख्या प्रकट होती है।

उदाहरणार्थ- अष्टांग योग की संक्षिप्त क्रियायोगिक व्याख्या स्पष्ट किया जा रहा है।